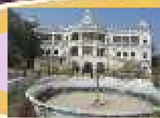

12 ऐतिहासिक भवन-वनपर्ति किला (Historicalsites – Wanaparti Fort)

12.1. चित्र देखिए। सोंचकर बताइए।

- क्या आप जानते हो कि चित्रों में क्या है? वह कहाँ है? आपके जिलों में ये हैं क्या ?
- इनको देखने पर तुम्हें कैसा लगता है। इन चित्रों को क्या तुमने कभी देखा है?
- इन्हें देखने से या इनके बारे में पढने से हमें किन विषयों का पता चलता है?
- हमारे प्रांत के मानचित्र में ऊपरवाले चित्र कहाँ है? पहचानिए।

12.2. वनपर्ति का किला

हमारा आवासीय घर, वेश-भूषा, खान-पान, आचार-विचार आदि हमारी संस्कृति को दर्शाते हैं। अब हम जिन सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं, वे पहले नहीं थे। उसी तरह आने वाले समय में अनेक परिवर्तन होंगे। बीते हुए काल की घटनाएँ, विशेषताएँ जानना बहुत ही उत्सुकतापूर्वक होती हैं। इसी को इतिहास कहते हैं। प्राचीन काल में निर्मित भवन, शिलालेख और उस समय लिखे गए ग्रंथ हमको उस समय की जानकारी देते हैं।

हमारे तेलंगाना राज्य के इतिहास के आधार स्वरूप कई किले हैं। वरंगल, गद्वाल, गोलकोंडा, राचकोंडा, देवरकोंडा, भुवनगिरी, दोमकोंडा, वनपर्ति आदि किले प्रसिद्ध हैं। उस समय के राजा शत्रुओं से रक्षा के लिए, प्राप्त विजयों के स्मारक स्वरूप किलों का निर्माण करते थे। ये आज हज़ारों वर्ष के इतिहास के साक्षी हैं। बीते ज़माने में हमारे शासक और उनके द्वारा बनाए गए भवनों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे ?

इकट्ठा करें

- आपके गाँव को वह नाम कैसा आया बड़ों से पूछकर जानिए।
- आपके अडोस-पडोस के ऐतिहासिक भवनों के नाम लिखिए।

12.3. वनपर्ति का किला - इतिहास

जो चित्र में दिखाई दे रहा है वही वनपर्ति का किला है। यह हमारे राज्य के महबूबनगर जिले में है। वनपर्ति हैदराबाद से 140 कि.मी. की दूरी पर है। पहले ज़माने में यहाँ वन अधिक थे इसीलीए इस प्रांत को नाम वनपर्ति पड़ा।

कौन सा किला कहाँ है? किसने बनवाया?

किला	**जिला**	**जिसने बनाया**
वरंगल (ओरुगल्लु)	वरंगल	काकतीय राजा
गद्वाल	महबूबनगर	सोमनाद्रि
गोलकोंडा	हैदराबाद	कुलीकुतुबशाह
राचकोंडा	नलगोंडा	रेचर्लसिंगमनायक
दोमकोंडा	निजामाबाद	कामिनेनि वंशीय
भुवनगिरी	नलगोंडा	त्रिभुवनमल्लु विक्रमादित्य
देवरकोंडा	नलगोंडा	रेचर्ल पद्मनायक
खम्मम किला	खम्म	काकतीय राजा
मेदक किला	मेदक	प्रतापरुद्र
फ़लकनुमा	हैदराबाद	सर विखार उल उमरा

वनपर्ति संस्थान के मूल पुरुष जनुम वीरकृष्णा रेड्डी थे। पहले ये 150 ई में पातपल्ली में रहते थे। बाद में पातपल्ली के करीब सूगूर में किला बनाकर, अपना निवास स्थान सूगूर को बदला। तब से उसका नाम सूगूर संस्थान कहलाने लगा। वह संस्थान एक अधीनस्थ राज्य के रूप में गोलकोंडा सुल्तानों के आधीन था। उस समय सुल्तान कुली कुतुबशाह गोलकोंडा पर शासन कर रहा था। उस संस्थानाधीशों को 'रेड्डी राजुलु' कहकर बुलाया जाता था।

पातपल्ली में प्रारंभ हुई इस संस्थान की राजधानी सूगूर को : सूगूर से पेद्दजनम पेट को, बाद में कोत्तकोटा को वहाँ से श्रीरंगापुर स्थानांतरित हुई। रेड्डी राजाओं में से एक रामाकृष्णाराव ने 1807 ई में श्रीरंगापुरम से राजधानी को वनपर्ति में स्थानांतरित किया। तब से यह संस्थान भारत संघ में शामिल होने तक वनपर्ति राजधानी से ही शासन कर रहा था।

वनपर्ति संस्थान की राजधानियाँ

पातपल्ली
↓
सूगूर
↓
पेद्दजनं पेट
↓
कोत्तकोट
↓
श्रीरंगापुरम
↓
वनपर्ति

सोचिए, बताइए

- पहले जमाने में राजालोग अपनी राजधानी एक जगह से दूसरी जगह पर क्यों बदलते थे ?
- किले का निर्माण करके कितना समय हुआ होगा, हिसाब कीजिए।

वनपर्ति संस्थान पर 1510 ई से 1948 ई तक 15 पीढ़ियों के राजाओं ने शासन किया। पंद्रह पीढ़ियों में सत्रह राजाओं ने और छह रानियों ने शासन किया।

इस संस्थान के राजाओं ने कृषि विकास के लिए बहुत प्रयत्न किये हैं। संस्थान के विभिन्न गाँवों में सात बड़े तालाब खुदवाए। इन्हें सप्त समुद्र के नाम से बुलाया जाता है। हजारों एकड़ जमीन की सिंचाई की व्यवस्था की गई। इन तालाबों से गाँवों में पीने के पानी जरूरत पूरी होती थी।

क्या आप जानते हैं!

- भारत को स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल ने सभी संस्थानों को भारत संघ में मिला लिया। हमारे राज्य में जो छोटे-छोटे संस्थान थे वो सब भारत संघ में मिल गये।
- देश में सबसे अंत में निज़ाम संस्थान भारत संघ में मिल गया।

सप्त समुद्र

1.	शंकर समुद्र	-	कानायपल्ली
2.	रंग समुद्र	-	श्रीरंगपुरम
3.	वीर समुद्र	-	ताटिपामुल
4.	महाभूपाल समुद्र	-	पेब्बेरु
5.	कृष्णा समुद्र	-	संकिरेड्डि पल्ली
6.	गोपाल समुद्र	-	वेलटूरु
7.	रामसमुद्र	-	राइन पेट

सोचिए, बताइए

- इन्हें सप्त समुद्र क्यों कहा जाता था कक्षा में चर्चा कीजिए।

क्या आप जानते हैं!

- वनपर्ति संस्थानाधीशों में एक राजा रामेश्वरराव ने अपनी माता सरलादेवी के नाम पर सरला सागर का निर्माण करवाया। इसकी विशेषता यह है कि तालाब के भरते ही द्वार अपने आप खुल जाते हैं। इसी को सैफ़ान पद्धति कहते हैं। इस तरह के तकनीकी ज्ञान से बनाए गए तालाबों में यह समूचे एशिया महाद्वीप में प्रसिद्धि पाई।

12.4. कलाएँ

रेड्डी शासक कलाओं में रुचि रखनेवाले थे। इनके द्वारा बनाए गए भवनों की दीवारों पर, छत के ऊपरी भागों पर रंगों से अनेक प्रकार की आकृतियाँ बनाई गई। वे आज भी सुरक्षित है। जर्मनी से सामग्री लाकर, कलाकारों का बुलवाकर इन्हें बनवाया गया। वे उस समय की कला वैभव का प्रतीक माने जाते हैं। इन्होंने संगीत, नृत्य और हस्त कलाओं को भी प्रोत्साहन दिया।

सोचिए, बताइए

- ऊपरी छत देखे हैं ना! इन छतों में और हमारे घरों के छतों में क्या अंतर है?
- पहले पृष्ठ में चित्र देखिए, निर्माण कैसा है?
- इनके निर्माण में किसका उपयोग ज्यादा हुआ है?
- यह क्यों प्रयोग किये होंगें?

सोचिए, बोलिए

- किले की दीवारों के बीच बुर्जों का निर्माण क्यों हुआ? सोंचिए।
- बुर्जों में जगह-जगह छेद क्यों है?
- किले की दीवार से क्या लाभ है?

12.5. मंदिर

वनपर्ति के राजाओं ने अनेक मंदिरों का निर्माण करवाया। उनमें बहिरि गोपालराव ने तिरुपति, कांची और श्रीरंगपट्नम के मंदिरों का दर्शन करके, श्रीरंगापुरम में श्रीरंगनायक स्वामि मंदिर का निर्माण करवाया। यह अद्‌भुत शिल्प कला का उदाहरण है। यह मंदिर उत्तर श्रीरंग क्षेत्र के नाम से जाना जाता है।

सोचिए, बोलिए

- दर्शनीय स्थान, प्राचीन स्मारकों के पास जब हम जाते हैं, कौन से काम नहीं करने चाहिए।
- उस समय के प्राचीन स्मारकों की महानता क्या है?

ऐसा कीजिए

- यदि आप किसी भवन या देवालय देखते हैं, वहाँ दीवारों और छतों पर रहने वाले चित्रों का निरीक्षण कीजिए।
- उन स्मारकों का निर्माण किसने करवाया? उन कलारूपों को क्या कहते हैं? जानकारी प्राप्त करें।

सोचिए, बोलिए

- प्राचीन मंदिरों की क्या महानता है?
- प्राचीन मंदिरों और आजकल की मंदिरों में क्या अंतर है?
- कुछ प्राचीन मंदिर शिथिल अवस्था में हैं ना! ऐसा क्यों है? इन्हें हम कैसे बचा सकते हैं।

12.6. साहित्य सेवा

रेड्डी राजाओं में बहिरि गोपालराव आठ भाषाओं में पारंगत थे, इसलिए उन्हें ''अष्टभाषा कोविद'' कहा जाता था। इस संस्थान के शासक अनेक साहित्यकारों को आश्रय देते थे, और स्वयं भी कवि थे। वनपर्ति संस्थान के पावुरम रंगाचार्युलु ने सौ से अधिक ग्रंथों की रचना की है। इन्होंने तिरुपति वेंकट कवियों के साथ साहित्य गोष्ठियों में भाग लिया। भ्रमरांबिका संवाद के लेखक कडुकुंट्ल पापशास्त्री, श्रीकृष्ण चरित्र संग्रह, काव्य गुच्छम, ग्रंथों के लेखक अनुमुल वेंकट सुब्रह्मण्य शास्त्री वनपर्ति संस्थान के प्रसिद्ध कवि थे।

12.7. प्रशासन

इनके संस्थान में भूमि का मापन करके, उसके अनुसार भूमिकर निर्धारित होता था। इन्होंने संस्थान को तीन भागों में विभाजित किया। वह है : १) सूगूर प्रांत २) वनपर्ति प्रांत ३) केशमपेट प्रांत। इन शासकों के पास बलशाली सेना थी। निज़ाम राज्य के दक्षिणी सीमाओं की यह सेना रक्षा करती थी।

क्या आप जानते हैं!

- **सूगूर सिक्के :** निज़ाम राजा सिकिंदर शाह ने रामकृष्णा राव को स्वतंत्र सिक्के बनाने की अनुमति दी। यह सिक्के वनपर्ति संस्थान के अतिरिक्त निज़ाम राज्य में भी प्रचलित होते थे। इनका नाम सूगूर सिक्के पड़ा।

मुख्य शब्द

भवन	कर	बुर्ज
किला	गुंबद	मंडप
संस्थान	तालाब	सूगूर सिक्का
समुद्र	इतिहास	हस्त कला

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) वनपर्ति किले को वह नाम कैसे पड़ा ?

आ) सप्त समुद्र किसे कहते हैं ?

इ) वनपर्ति संस्थान के जमीनों का वर्गीकरण कीजिए?

ई) वनपर्ति शासकों की साहित्य सेवा का वर्णन कीजिए?

उ) किलों का निर्माण किसलिए किया गया ?

2. प्रश्न करना-अनुमान लगाना

- लता गोलकोंडा किला देखने के लिए अपने मामा के साथ गई थी। गोलकोंडा किले के बारे में जानने के लिए लता कौन-कौन से प्रश्न पूछी होगी?

3. प्रायोगिक कार्य-क्षेत्र निरीक्षण

अ) आप के निकटस्थ किसी भवन या प्राचीन मंदिर के पास जाइए। वहाँ क्या-क्या है देखकर लिखिए।

आ) मंदिरों के पास, प्राचीन इमारतों के पास पुरातत्व विभाग को एक सूचना पटल होता है। उस पर क्या-क्या लिखा रहता है। देखकर बताइए।

4. समाचार संकलन-परियोजना कार्य

- आपके जिले में जो प्राचीन भवनों या किलों की जानकारी इकट्ठा कीजिए। उस जानकारी से तालिका तैयार कीजिए।

5. चित्रांकन, मानचित्र कौशल, नमूना द्‍वारा भाव विस्तार

अ) भवन की छत का चित्र खींचिए।

आ) तेलंगाना के मानचित्र में महबूबनगर, वनपर्ति दर्शाएँ।

इ) मिट्‌टी से किसी किले का नमूना तैयार कीजिए।

ई) पाठ के आरंभ में किले देखे हैं ना! वे किन-किन जिलों में हैं तेलंगाना में मानचित्र में दर्शाएँ।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव विविधता संबंधी जागरूकता

अ) वनपर्ति किले में आपको क्या अच्छा लगा? क्यों?

आ) किले के निर्माण में कई लोगों का श्रम छिपा है। उनके श्रम की प्रशंसा में कुछ लिखिए।

इ) ऐतिहासिक भवनों का संरक्षण आवश्यक है। चर्चा कीजिए। क्यों?

ई) आप जब ऐतिहासिक भवनों को देखते हैं तब किन विषयों को महत्व देते हैं?

उ) प्राचनी इमारतों की कैसे रक्षा करें?

ऊ) किलों के निर्माण में किस सामग्री का उपयोग हुआ? वह कहाँ उपलब्ध होती है?

क्या मैं यह कर सकता हूँ?

1.	प्राचीन भवनों, किलो की महत्व बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	प्राचीन भवनों के बारे में जानने के लिए प्रश्न कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	प्राचीन भवनों की जानकारी प्राप्त करके तालिका बना सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	प्राचीन भवन वाले प्रांतों को तेलंगाना के मानचित्र में दर्शा सकता हूँ।	हाँ/नहीं
5.	प्राचीन भवनों के चित्र खींचकर नमूना बना सकता हूँ।	हाँ/नहीं
6.	प्राचीन भवनों के संरक्षण की आवश्यकता का वर्णन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं

13 शक्ति (Energy)

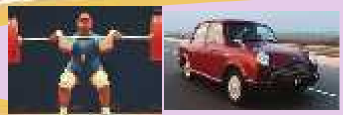

13.1. चित्र देखिए। सोचकर बोलिए।

- चित्र में कौन-कौन से वाहन हैं? वे किस प्रकार चलते हैं?
- साइकिल रिक्षा, **आटोरिक्षा**, ठेला, आदि को खींचने के लिए किसकी आवश्यकता होती है?
- कार, साइकिल मोटर, वैन, आटो, आदि **को** चलाने के लिए किसकी आवश्यकता होती है?
- चित्र में दो रेल हैं न! दोनों रेल किससे चल रहें हैं?

कुछ वाहनों को चलने के लिए पेट्रोल, डिज़िल जैसे ईंधन की आवश्यकता होती है। बैलगाडी, रिक्षा जैसे वाहनों को ईंधन की आवश्यकता नहीं होती। हम ही अपने शक्ति से खींचते या चलाते है। कुछ वस्तुएँ भी डिज़िल, पेट्रोल जैसे इंधन के साथ विद्युत शक्ति, गैस से भी काम करते हैं। हमारा आहार हमें शक्ति देता है। वाहनों को या वस्तुओं को ईंधन से शक्ति प्राप्त होती है। काम चलने के लिए वाहन चलने के लिए या वस्तुएँ काम करने के लिए शक्ति की आवश्यकता होती है।

13.2. इनके लिए क्या अनिवार्य है?

सोचिए, बोलिए

- उपर्युक्त चित्र में क्या-क्या हैं?
- फ़ैन को चलने के लिए क्या चाहिए?
- टार्च लाईट को सुलगने के लिए किसकी आवश्यकता होती है?
- मिर्ची के सूखने का क्या कारण है?
- उपर्युक्त चित्र में पकवान के लिए कौन-कौनसे चूल्हों का प्रयोग हो रहा है? इन्हें जलने के लिए किसकी आवश्यकता होती है?
- इस्तरी की पेठी कैसे गरम होती है?

कुछ वस्तुओं के लिए विद्युत की आवश्यकता होती है तो कुछ के लिए सौर शक्ति की, और कुछ को ईंधन की आवश्यकता होती है। इनसे वे वस्तुएँ, सामग्री को काम करने के लिए शक्ति मिलती है। इन सबको काम करने के लिए आधार शक्ति है। यह शक्ति विभिन्न प्रकार के स्त्रोत से मिलती है। इसका विनियोग विभिन्न रूपों में करते हैं।

सामूहिक कार्य

- शक्ति के उपयोग से किये जाने वाले काम लिखिए।
- कौन-कौन से शक्ति के स्रोत किन रूपों में उपलब्ध हैं?
- उपयोग से कम नहीं होनेवाले शक्ति के स्रोत कौनसे हैं?
- उपयोग से खर्च होनेवाले शक्ति के स्रोत कौनसे हैं?

13.3. शक्ति के स्रोत

शक्ति के स्रोत अनेक प्रकार से उपलब्द होते हैं। वे सूर्य, वायु, जल, पेट्रोल, डिज़िल, किरोसिन, गैस कोयला आदि। इनमें पेट्रोल, डिज़िल, किरोसिन, गैस कोयला आदि शक्ति के स्त्रोत उपयोग से कम होते हैं। वायु, सूर्य जैसे शक्ति के स्रोत उपयोग करने से कम नहीं होते। इस संसार को शक्ति की बहुत आवश्यकता है। किसी भी काम के लिए, कोई भी यंत्र चलाने के लिए शक्ति के स्रोतों का उपयोग अनिवार्य है। इनकी आवश्यकता दिनबदिन बढ़ती जारही है। वर्तमान परिस्थितियों में शक्ति का उत्पादन पर्याप्त नहीं हो रहा है। विनियोग की आवश्यकताएँ बढ़ने के कारण शक्ती के उत्पादन की आवश्यकता बहुत बढ़ गई है।

13.3.1. अंत होनेवाले स्रोत

वस्तुओं के जलाने से उत्पन्न होनेवाली शक्ति ही ईंधन की शक्ति है। इंधन की लकड़ी, कोयला, किरोसिन, गैस, पेट्रोल, डिज़िल आदि इंधन हैं। इन्हें जलाकर उससे उत्पन्न होनेवाली शक्ति से विद्युत की तैयारी, वाहन चलाना, सामग्री की परिवाहन, कारखानों में यंत्र चलाना, घरों में पकवान आदि काम करते हैं। ईंधन को धरती से निकालते हैं। लाखों वर्ष पूर्व रहे पेड, पशु धरती में पहुँच कर ईंधन बनते हैं। इस प्रकार धरती से उपलब्द ईंधन अर्थात पेट्रोल, कोयला, सहज वायु हम बाहर निकाल कर प्रयोग करते हैं। इन्हें इस प्रकार प्रयोग करने से कुछ वर्षों बाद ये नष्ट होते हैं।

सामूहिक कार्य

- धरती में निहित कोयले की संपदा को इसी प्रकार प्रयोग करने से क्या होगा? कैसे समाप्त होते हैं?
- उपयोग करने से समाप्त होनेवाले ईंधन के स्थान पर किसका प्रयोग किया जा सकता है?
- समाप्त होनेवाले शक्ति स्रोत को बचाने के लिए हमें क्या करना चाहिए।

शक्ति स्रोत की बचत की आदत करलेनी चाहिए। विशेषकर पकवान के ईंधन को कम कर सहज वायु का उपयोग करना चाहिए। इन दिनों सहज वायु का उत्पादन गोबर से भी हो रहा है। 'इसे गोबर गैस` कहते हैं। इसकी भी बचत करनी चाहिए। पेट्रोल, डिज़िल जैसे ईंधन की बचत जितनी होगी उतना ही श्रेष्ट होगा। घरों में विद्युत का उपयोग अनावश्यक नहीं करना चाहिए। फैन, टी.वी. आदि का प्रयोग जहाँ तक हो सके कम करना चाहिए। विद्युत की बचत भी उत्पादन ही है। घरों में उपयोग किये जानेवाले घरेलू उपकरण को कम करके अपने काम स्वयं करने से विद्युत की बचत कर सकते हैं। इससे ईंधन की बचत होती है। हमारे राज्य में अधिकतर विद्युत का उत्पादन जल विद्युत या थर्मल विद्युत केन्द्रों में हो रहा है। इनके लिए विशेष स्रोत कोयला, जल हैं। विद्युत की बचत से इनकी भी बचत होती है। अंत होनेवाली शक्ति स्रोत को बचाना हमारा कर्तव्य है।

13.3.2. अंत न होनेवाले शक्ति के स्रोत

सूर्य की किरणे, जल और वायु को हम जितना भी उपयोग करेंगे वे कम नहीं होते। किंतु धरती के अंधर कोयला, पेट्रोल, डिज़िल, किरोसिन, गैस को जैसे उपयोग किया जाता है वैसे ही वे कम होते जाते हैं। इस प्रकार कम न होने वाले स्रोत के प्रति जानकारी प्राप्त करें।

13.4. सौर शक्ति

हमें प्रतिदिन कपड़े, अनाज, मछली सुखाने के लिए सूर्यकिरणों की शक्ति का उपयोग करते हैं न! फिर, क्या ये भी जानते हो कि सौर शक्ति से करेंट (विद्युत) को तैयार किया जा सकता है?

सौर शक्ति से सुलगती स्ट्रीट लाईट

क्या आप जानते हैं?

सौरशक्ति से स्ट्रीट लाईट कैसे जलते हैं।

जब सूरज की किरणें सौर फलकों पर आ गिरती हैं, तब वो गरम होते हैं और विद्युत्त (करेंट) को उत्पन्न करते हैं। उस विद्युत्त को बैटरी जमा कर रखती हैं। बैटरी में निहित विद्युत्त को आवश्यकतानुसार हम उपयोग में लाते हैं। दिन में सूरज के द्वारा बननेवाला विद्युत्त बैटरी में रहकर हमारे उपयोग में आता है।

हमारे देश में अधिकतम सौर शक्ति का उपयोग करनेवाला राज्य गुजरात। यहाँ पाठशालाओं में,

एमर्जेंसी लैंप

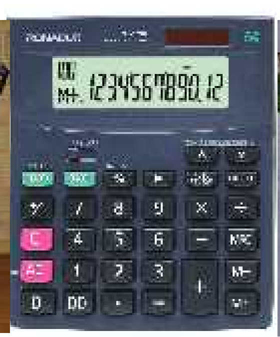

कैलुक्युलेटर

सोलार हीटर

सोलार कार

सामूहिक कार्य

- नित जीवन में सौर शक्ति किस प्रकार उपयोगी है?
- सौर शक्ति का उपयोग क्यों करना चाहिए?
- ऐसी शक्ति के उपयोग से करनेवाले कुछ वस्तुए लिखिए।

पाठशालाओं में, सरकारी कार्यालयों में सौर शक्ति से काम करनेवाले विद्युत उपकरण का विनियोग कर रहें हैं। रेडियो, टेलिविज़न, कम्प्यूटर आदि के लिए सौर शक्ति का विनियोग करते हैं।

13.5. पवन शक्ति

पवन अर्थात वायु है। क्या इसे शक्ति है? है! ये कैसे कह सकते हो? जानते हो कि हमारे नित जीवन में वायु से उत्पन्न शक्ति का उपयोग किस प्रकार हो रहा है? सोचिए, बगल में चित्र देखिए। यह साइकिल का पहिया है। देखिये इसमें क्या है। जानते हो उसे क्या कहा जाता है? वह डाइनमों है। साइकिल के चलते समय उसे लगाये गए डाइनमों द्वारा लाइट सुलगती है। अर्थात साइकिल का पहिया तेज़ घूमने के कारण शक्ति का उत्पादन होता है। जानते हो इसी प्रकार तेज़ चलाने, घुमाने की शक्ति वायु को भी होती है।

नीचे चित्र देखिए।

सोचिए, बोलिए

- क्या चित्र में बड़े-बड़े चित्र दिख रहे हैं !
- जानते हो कि ये कैसे घूमते हैं? ये कहा रहते हैं?
- इनसे हमें क्या लाभ हैं?

चित्र में दिखाई देने वाले बड़े-बड़े फ़ैन हवा के लहराने से घूमते हैं। वायु में निहित शक्ति से इनके घूमने के कारण विद्युत उत्पन्न होता है। ऐसी व्यवस्था खूब हवा चलने वाले स्थानों में अर्थात पहाड़ों पर, सागर के किनारों में होती है। वायु में वस्तुओं को धकेलने की शक्ति होती है। हम इस वायु शक्ति का उपयोग फ़ैन घूमने, कुएँ से पानी निकालने, पानी के बहाव, वाहन चलाने, पानी में नाँव चलाने जैसे अनेक आवश्यकताओं के लिए करते हैं।

13.6. जल शक्ति

सोचिए, बोलिए

- क्या पानी में शक्ति होती है? कैसे कह सकते हो?
- हम अपने नित जीवन में जल शक्ति का उपयोग कैसे करते हैं? उदाहरण दीजिए।

जैसे सूरज के प्रकाश में, वायु में शक्ति होती है वैसे ही पानी में भी बहुत शक्ति होती है।विशेष कर विद्युत की तैयारी में (जल विद्युत) पानी का प्रयोग करते हैं। यह काम बडे-बडे प्राजेक्टों से होता है। पानी की तीव्रता के उपयोग से टर्बैन को घुमाने से विद्युत का उत्पादन होता है। निम्न नागार्जुन सागर के चित्र का निरीक्षण कीजिए।

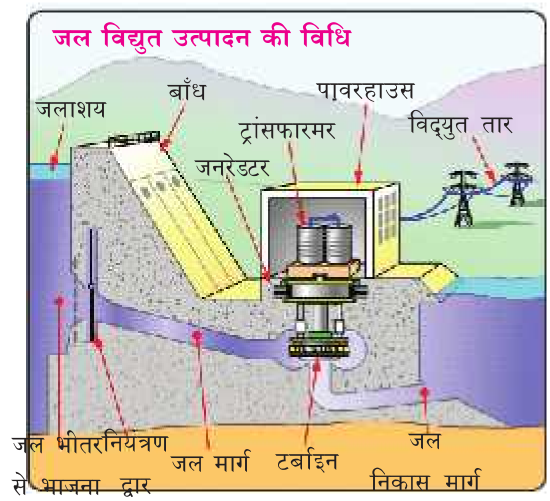

तेलंगाना के नलगोण्डा जिला में नागार्जुन सागर बाँध, कर्नूल जिला में श्रीशैलम बाँध के पानी से जल विद्युत्त का उत्पादन कर रही हैं। दूसरा चित्र देखें! पानी से जो विद्युत्त का उत्पादन होता है, उसी को जल विद्युत्त कहते हैं। बड-बडे रिज़र्वयिरों में "पेनस्टाक" नामी नालियों द्वारा पानी भेज कर टर्बैन घुमाते हैं। इस प्रकार जब टर्बैन घूमता है तब विद्युत्त का उत्पादन होता है। इसी विद्युत्त को ट्रान्सफ़ार्मरों द्वारा पावरहाऊज़ से भेजी जाती है। इस प्रकार पानी से विद्युत्त का उत्पादन करने वाले केंद्रों को "जल विद्युत्त केंद्र" कहा जाता है।

सोचिए-बोलिए

- हमारे राज्य में जल विद्युत्त केंद्र कहाँ-कहाँ हैं?
- जल विद्युत्त केंद्रों में क्या वर्ष भर विद्युत्त उत्पादन होता है?
- किन मासों में जल विद्युत्त का उत्पादन अधिक होता है? क्यों?
- कोयले से पानी को गरम करने पर आनेवाली भाप से टार्चलाइट को घुमाकर विद्युत का उत्पादन किया जाता है। "थर्मल विद्युत्त" कहते हैं। जल विद्युत्त और थर्मल विद्युत्त के बीच क्या अंतर है? किसका अधिक उपयोग श्रेष्ट होगा?

13.7. भविष्य में शक्ति के स्रोत

पेट्रोल, कोयला दिन ब दिन कम होते जा रहे है। इस लिए भविष्य में हमें उपयोग करने पर भी कम न होने वाले शक्ति के स्रोतों पर आधारित होना पडेगा। इसके लिए सौर, जल, वायु शक्तियों का उपयोग कैसे किया जाय, इस पर प्रयोग कर विधियों की जानकारी प्राप्त करना होगा। आप को भविष्य में इसका प्रयास करना होगा।

निम्न तालिका का निरीक्षण कीजिए।

क्रमांक	कम होने वाले स्रोत	कम न होने वाले स्रोत
1	पेट्रोल, डिज़िल, किरोसिन, कोयला होने वाले स्रोत के उदाहरण हैं।	सौर, जल, वायु शक्ति के स्रोत कम न कम होने वाले स्रोत के उदाहरण हैं।
2	इनके लिए खर्च अधिक होता है।	इनके लिए खर्च कम होता है।
3	ये प्रदूषण के कारक हैं।	ये प्रदूषण रहित हैं।
4	ये अधिक समय तक नहीं मिलते।	ये हमेशा मिलते हैं।
5	इनके स्थान पर अन्य स्रोत के तैयारी की आवश्यकता है।	अन्य स्रोत की तैयारी से भी इन्हीं का क्रमानुसार अधिक प्रयोग आवश्यक है।

सोचिए, बोलिए

- उपर्युक्त तालिका में किसका अधिक उपयोग श्रेष्ट होगा? क्यों?
- कम होनेवाले स्रोत के स्थान पर कुछ अन्य स्रोत आप बताइए।

13.8. स्रोत का संरक्षण

स्रोत सभी कामों के लिए आधार, आवश्यक है। यह सोचना चाहिए कि प्रकृति में उपलब्द विभिन्न शक्तियों का उपयोग कैसी करें। शक्तियों के संरक्षण का प्रयास करना चाहिए। प्रदूषण कम करनी चाहिए। ईंधन व्यर्थ किए बिना भावी आवश्यकताओं के लिए सहेज कर लेना चाहिए। कम होनेवाले ईंधन का उपयोग कम कर कम न होने वाले ईंधन का उपयोग करने का प्रयास करना चाहिए।

सोचिए, बोलिए

- ईंधन की बचत के लिए हमें क्या करना चाहिए?
- आप विद्युत की बचत के लिए क्या करते हैं?

ईंधन की बचत कैसे?

- दूरी **कम** हो तो चलकर जाना चाहिए। इससे ईंधन भी बचता है और स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा है।
- कार, मोटर साइकिल, स्कूटर के स्थान पर साइकिल का प्रयोग करना चाहिए।
- यथा संभव जन परिवहन व्यवस्था से संबंधित आर.टी.सी. बसों, सेल गाडियों में ही यात्रा करना चाहिए। एक दोनों के लिए कार का प्रयोग कर ईंधन को खर्च नहीं करना चाहिए। इससे सडकों पर ट्राफ़िक और प्रदूषण कम होते हैं।
- दिन में सूर्य प्रकाश से ही काम करना चाहिए। विद्युत लाइटों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। यह ध्यान रहे कि खिडकियाँ, दरवाज़े खुले रहें और उनमें से हवा **और** रोशनी आ पहुँचे।
- घर से बाहर जाते समय, रात में सोते समय करेंट के स्विच बंद करना चाहिए। स्नानघर, शौचालयों में लाइट डाल कर न रखें। पानी गर्म करने के ग्रीजर, एलक्ट्रिक कुकर, मैक्रो वोवेन, करेंट की इस्त्री, वाशिंग मशीन, ग्रैंडर जैसे विद्युत्त द्वारा चलने वाले घरेलू उपकरण का उपयोग आवश्यकतानुसार ही करना चाहिए।
- ठंडक के लिए हम यथा संभव प्राकृतिक हवा का ही उपयोग करना चाहिए। फ़ैन का उपयोग आवश्यकतानुसार ही करना चाहिए। घर के आस पास में पैड़-पौधों के होने से ए.सी. की आवश्यकता नहीं होती।
- अनावश्यक लकड़ी, कोयला नहीं जलाना चाहिए। पत्ते, कचरा आदि से कंपोस्ट तैयार करना चाहिए। पर उन्हें जला कर प्रदूषन न बढ़ाएँ।
- पानी को व्यर्थ न करें, पानी की बचत करें।
- हमें भोजन द्वारा शक्ति मिलती है। भोजन सामग्री को व्यर्थ नहीं करना चाहिए और न ही अधिक उबालना चाहिए। क्यों कि अधिक उबालने से ईंधन अधिक लागता है और उन में निहित पौष्टिक तत्वों का नाश भी होता है।

मुख्य शब्द

शक्ति	जल शक्ति	कम न होने वाली शक्ति
करेंट (विद्युत्त)	ईंधन	ईंधन कीशक्ति
सौर शक्ति	जल विद्युत्त	वायु विद्युत्त
वायु शक्ति	कम होने वाली शक्ति	शक्ति स्रोत

हम ने क्या सीखा है?

1. विषय की समझ

अ) ईंधन किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।

आ) सौर शक्ति से काम करने वाले संसाधन के कुछ उदाहरण दीजिए।

इ) कम होने वाले, कम न होने वाले स्रोत क्या है? कुछ उदाहरण दीजिए।

ई) आप विद्युत्त की बचत कैसे करते हैं?

ऊ) शक्ति स्रोत किसे कहते हैं? हम इनका संरक्षण क्यों करें?

2. प्रश्न करना-अनुमान लगाना

अ) अपने माता पिता से पूछिये कि, वे विद्युत्त की बचत कैसे करते हैं?

आ) इन दिनों विद्युत की कटौती बहुत है न! अपने प्राँत के विद्युत अधीक्षक से मिलिए। इस प्रकार के विद्युत की कटौती के कारण पूछिए।

3. प्रायोगिक कार्य-क्षेत्र निरीक्षण

- अपने घर एक दिन में उपयोग होने वाली विद्युत्त यूनिट का निरीक्षण कर लिखिए। इसी प्रकार मासिक विद्युत्त बिल और यूनिट का निरीक्षण कीजिए।

4. समाचार संकलन-परियोजना कार्य

अ) अपने चार मित्रों के घर जाइए। मासिक विद्युत्त बिल कितना है? कितने यूनिट विद्युत्त का उपयोग हो रहा है? इनके क्या कारण हो सकते हैं जानकारी प्राप्त कर तालिका में लिखिए।

आ) अपने गाँव या घर में विद्युत्त द्वरा काम करने वाली उपकरणों की तालिका बनाइए।

मित्र का नाम	कितने यूनिट विद्युत खर्च होता है	विद्युत्त की बिल	कारण

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

अ) जल विद्युत्त के उत्पादन की विधि का विवरण चित्र सहित दीजिए।

आ) वायु विद्युत्त से संबंधित फ़ैनों का चित्र बनाइए।

इ) अपने घर में किसी विद्युत्त से काम करने वाले साधन का चित्र बनाइए। विवरण दीजिए।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव विविधता संबंधी जागरूकता

अ) ईंधन की लकडी के लिए बहुत सारी लकडी का उपयोग होता है। इसके स्थान पर और किस का उपयोग हो सकता है? यदि लकडी का ही उपयोग करना हो तो आप क्या करते हो?

आ) वायु, जल, ईंधन, सौर में से कौनसा स्रोत श्रेष्ट है? क्यों? हमें किसकी बचत करनी चाहिए? इसके लिए क्या करना होगा?

इ) जल, विद्युत्त की बचत के लिए कुछ नारे बनाकर प्रदर्शित कीजिए।

क्या मैं यह कर सकता हूँ?

1.	ईंधन के बचत के लिए करने वाले कामों के बारे में विवरण दे सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	विद्युत्त की बचत, विद्युत्त की कटौती के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	हमारे घर विद्युत्त पर होने वाले खर्च का निरीक्षण कर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	विद्युत्त के अधिक उपयोग के कारण जान कर तालिका बना सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	जल विद्युत्त के विधि का चित्र बना कर विवरण दे सकता हूँ।	हाँ / नहीं
6.	ईंधन की बचत के बारे में विवरण दे सकता हूँ।	हाँ / नहीं

14 हमारा देश-हमारा संसार
(Our Country Our World)

14.1. भारत देश

"विशाल भारत देश हमारा,
हिमालय का आवास है,
इस देश की संपूर्ण जनता में,
विशाल हृदय का वास है,
धर्म-भाषा भिन्न हो पर साथ हम चलते रहें,
सुंदर भारत वर्ष में साथ सब बढते रहें।"

बच्चों! क्या आपने यह गीत सुना है? यह गीत किस बारे में है? यह गीत भारत के बारे में है न! हमारे राज्य का नख्शा, राज्य के ज़िले, मंडल, उनकी सीमाएँ, आदि की जानकारी प्राप्त की है न! क्या् अब हम अपने देश के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे!

सामूहिक कार्य

- पिछले पन्ने में भारत का नक्षा देखिए। उसमें अपने राज्य को पहचान कर हरा रंग भरिए।
- अपने राज्य के सीमाओं पर कौनसे राज्य हैं? उन्हें नीला रंग भरिए।
- बंगाल की खाई के सीमा पर कौन-कौन से राज्य हैं?
- अरब महा सागर के सीमा पर कौन-कौन से राज्य हैं?
- भारत की सीमाएँ (सरहद) लिखिए।
- भारत में कितने राज्य हैं?

भारत में 29 राज्य, 7 केंद्र प्रशासित प्राँत हैं। भारत की राजधानी नई दिल्ली है। भारत क्षेत्रफल के आधार पर संसार में सातवें स्थान पर है। भारत के बीच विंध्या, सत्पुरा पर्वत हैं। विंध्या पर्वतों को उत्तर की दिशा में स्थित भूभाग को उत्तर भारत के नाम से, दक्षिण में स्थित भूभाग को दक्षिण भारत के नाम से जाना जाता है।

क्या आप जानते हैं?

रूस, केनेडा, चीन, अमेरिका संयुक्त राज्य, ब्रेजिल, आस्ट्रेलिया देश क्षेत्रफल के आधार पर हम से बड़े हैं।

इतिहासकारों के मतानुसार भारत संसार के सभी देशों में अत्यंत प्राचीन देश है। भारत को हज़ारों वर्ष का इतिहास है। हमारा देश ज्ञानभूमि का नाम पाकर जगद्गुरु सा विराजमान हुआ है। भिन्न धर्म, 1652 भाषाएँ, भिन्न भूस्वरूप, भिन्न संस्कृति, संप्रदाय होते हुए भी एक ही देश, एक ही सरकार, एक ही बात भिन्नता में एकता को दर्शाते हुए संसार भर में आदश है। शांतियुत समाज का निर्माण करते हुए, अहिंसा का पालन करते हुए, सब की ओर स्नेह का हाथ बढ़ा रहा है।

14.2. भारत देश-मुख्य क्षेत्र

हमारे देश में भौगोलिक आधार पर छे क्षेत्र हैं। जो कि-

1	पूर्व भारत	बीहार, झारखंड, उड़ीसा और पश्चिम बेंगाल
2	पश्चिम भारत	गुजरात, गोवा, महाराष्ट्रा और राजस्थान
3	उत्तर भारत	जम्मू & कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांचल, हर्याना और नई दिल्ली (देश की राजधानी का स्थान प्राप्त केंद्र शासित राज्य)
4	दक्षिण भारत	तेलंगाना, आन्ध्रप्रदेश,तमिलनाडू,कर्नाटक और केरल
5	पूर्वोत्तर राज्य	अरुनाचल प्रदेश, अस्साम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम,मनिपूर, नागालांड और सिक्किम
6	मध्य भारत	मध्य प्रदेश, छत्तीस गढ़

इस तरह कीजिए

- अपने देश के छे भौगोलिक क्षेत्र के बारे में जान लिए हो न! निम्न भारत के नक्षे में प्रत्येक क्षेत्र को दिये गए रंगों से भरिए।

  पूर्व भारत – नीला; पश्चिम भारत – पीला;

  उत्तर भारत – गुलाबी; दक्षिण भारत– हरा

  पूर्वोत्तर राज्य – लाल; मध्य भारत – बैंगनी

- हमारे देश के चारों ओर क्या-क्या हैं? पहचानिए।

14.3. खंड-महासागर

भारत की तरह संसार में अनेक देश हैं। यह संसार भूमी पर फैला हुआ है। इतने देश वाले इस संसारके

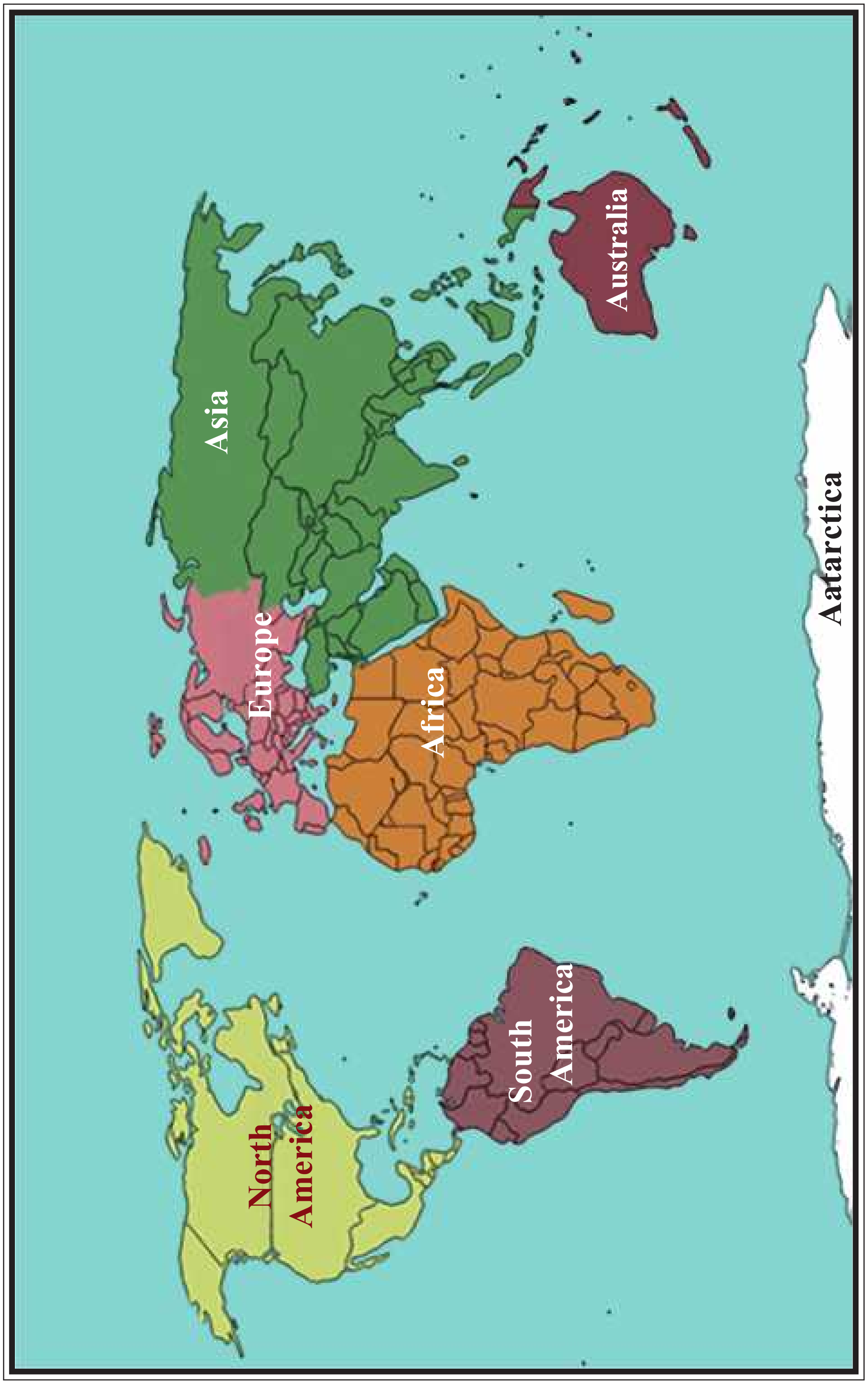

विश्व मानचित्र

सोचिए,बोलिए

- नक्षा देख कर खंडों के नाम बताइए।
- आसिया खंड में कौन-कौन से देश हैं?
- पश्चिम भारत में कौनसा देश है?
- भारत से गुज़रने वाली रेखा कौनसी है?
- ऐरोफ़ा खंड में स्थित कुछ देशों के नाम बताइए।
- भारत के बगल में कौनसा महासागर है? पसिफ़िक महासागर किन देशों, खंडों से लगा हुआ है?
- संसार के नक्षा देख कर बताइए कि पूर्व, पश्चिम देश कौनसे हैं?
- नक्षा देख कर महासागरों के नाम बताइए।
- भू मध्य रेखा किन खंडों से गुज़रती है?
- आस्ट्रेलिया खंड को पहचानिए। वह भारत के किस ओर है?
- अपने देश से ब्रेज़िल जाने के लिए किन देशों से गुज़रना होगा?

विशाल भूभाग को हम ने अपनी सुविधा के लिए खंड, महासागरों में विभाजित कर लिया है। निम्न नक्षे को देखिए।

इस विशाल भारत के भूभाग को सात खंडों में विभाजित किया गया है। वे- आसिया, ऐरोफ़ा, आफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, आस्ट्रेलिया और अंटार्कटिका। खंडों में सब में बड़ा आसिया और सब में छोटा आस्ट्रेलिया।

सभी खंडों में कहीं कहीं पर्वत हैं। कहीं पृष्टभूमि, मैदान हैं। कुछ पर्वत बहुत ऊँचे (उदा:भारत में हिमालय, दक्षिण अमेरिका में आँडेस पर्वत) और कुछ कम ऊँचे (उदा: ऐरोफ़ा में आल्फ़्स पर्वत) है। साधारमत: पर्वतों का ऊपरी भाग बहुत ठंडा और अधिक उतार होता है। इस लिए वहाँ जनता कम होती हैं। पृष्टभूमि, पर्वतों से भी कम ऊँची और ऊपरी भाग चपटा और आँचल उतार होते हैं। पर्वत प्राँतों से भी पृष्टभूमि प्राँत में जनता अधिक होती हैं। मैदान प्राँत चपटे होते हैं। यहाँ जनता अधिक होती हैं। पहाड़ों पर पर्यावरण ठंड़ा होता है। ऊँचे पहाड़ों पर ठंड़ा होते हुए बर्फ़ बनता है।

सामूहिक कार्य

- हिमालय में बर्फ़ क्यों बनता है?
- संसार के नक्षे में (औट लाइन मैप) भारत, श्रीलंका, इंग्लैंड, ब्रेज़िल, केनडा, रूस, आस्ट्रेलिया देशों को पहचानिए। उन्हें रंग भरिए।

14.4. जलभाग

धरती पर विशाल भूभाग को महासागर, छोटों को सागर कहते हैं। वे विभिन्न आकार, परिमाण, में होते हैं। सभी खंडों के आस-पास महासागर एक दूसरे से मिले हुए हैं। महासागर चार हैं। वे- पसिफ़िक महासागर, हिंदू महासागर, अट्लांटिक महासागर, आर्कटिक महासागर। इन सबमें बड़ा पसिफ़िक और छोटा आर्कटिक है। चारों ओर पानी से घेरा हुआ छोटे भूभाग को "द्वीप' कहते हैं। उदाहरण के लिए ग्रीनलैंड, ग्रेट ब्रिटन। जहाँ तीनों ओर पानी और एक ओर भूभाग होता है तो उसे "द्वीपकल्प' कहते हैं।

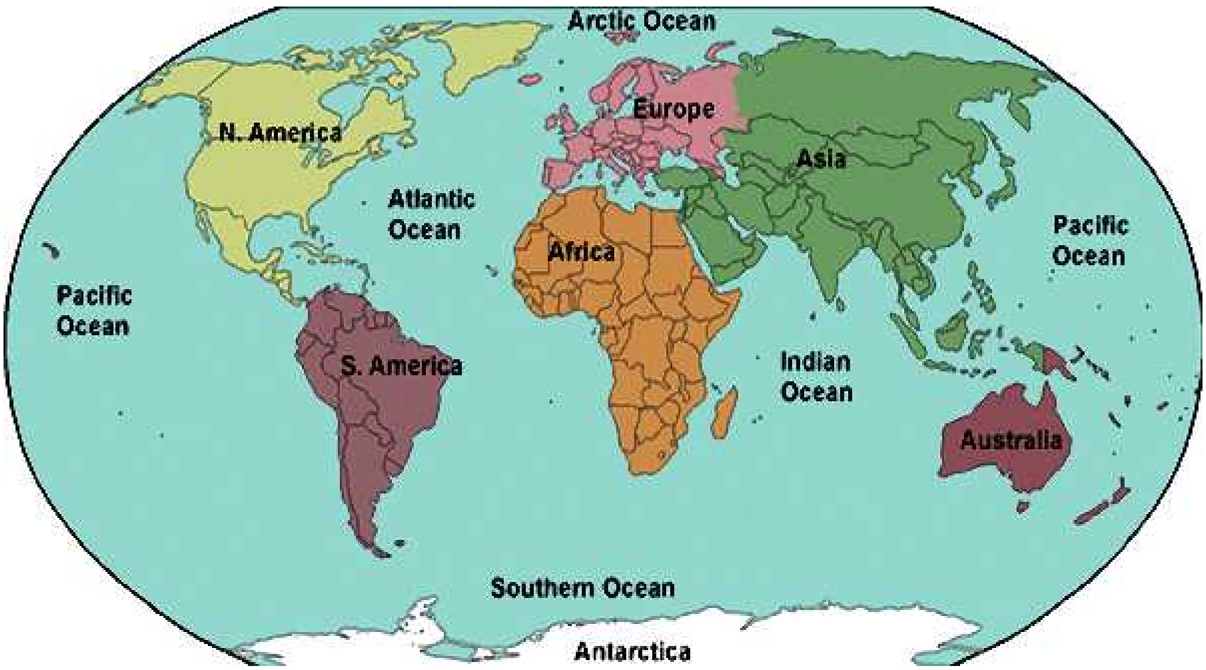

सामूहिक काय

- सागर से हमें क्या लाभ है?
- सागर के नक्शे में सागरों को पहचान कर नीला रंग कीजिए।
- भारत से लगे हुए सागर कैनसे हैं?
- क्या भारत द्वीप है? द्वीप कल्प है? क्यों?

क्या तुम जानते हो ?

सागर के पानी की मात्रा 1000 मीटर से अधिक ऊँची होने पर 6^0 सेंटीग्रेड तापमान घटता है।

धरती पर भूभाग से भी जलभाग ही अधिक है। लगभग 75% धरती का ऊपरी भाग जल से ढका हुआ है। धरती में निहित स्वच्छ जल में अत्यधिक भाग इसी जलभाग के कारण बनता है।

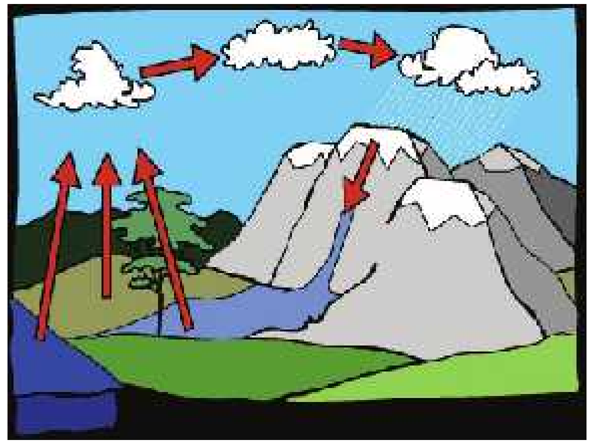

सूरज के किरणों की गर्मी से सागर का पानी भाष्प बनता है। यह भाष्प बना पानी ही तापमान कम होने के कारण ठंडा होकर मेघ बनता है। जब मेघ ठंडे होते हैं तब बर्षा होती है। इस प्रकार निरंतर चलने वाली प्रक्रिया को ही "जलचक्र" कहते हैं। इस प्रक्रिया

क्या आप जानते हैं ?

महासागरों में कुछ प्राँतो में अचानक सागर का ऊपरी भाग दब कर एक प्रकार की गहरे गड्डे बन जाते हैं। यही गड्डे सागर के अत्यंत गहरे होते हैं। इन में कुछ प्राँत 10,000 मीटर से भी गहरे होते हैं। हिमालय पर्वत श्रेणियाँ भी इनमें डूब सकती हैं। पर्वित शाखाएँ अट्लाँटिक, पसिफ़िक और हिंदू महासागर में व्याप्त हैं। इन सब की लंबाई 65,000 कि.मी. रहते हुए, धरती पर अत्यंत लाँबे पर्वत श्रेणियाँ मानी गई हैं। कुछ पर्वत शिखर सागर के ऊपरी भाग पर व्याप्त होकर द्वीप बनते हैं।

में पानी भाष्प बन कर फिर पानी में परिवर्तित होता है। महासागर का जल अनेक लवणों का मिश्रम है। सागर के जल में अधिकतर सोडियम क्लोरैड,(साधारण नमक) होता है। सागर के जल में लगभग 96 प्रतिशत पानी रहता है तो शेष 4 प्रतिशत लवण, अन्य न घुलनेवाले घन पदार्थ होते हैं। स्वच्छ जल से भी सागर के पानी में अधिक घनत्व होता है। जल से भी सागर के पानी में तैरना सुविधाजनक होता है।

मुख्य शब्द

देश, संसार	उत्तर भारत	मध्य भारत
नैसर्गिक स्वरूप	दक्षिण भारत	पश्चिम भारत
महाद्वीप	पूर्व भारत	जल भाग
सागर	पूर्वोत्तर भारत	भूभाग

हम ने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) भारत की सीमाएँ कौनसी हैं?

आ) महाद्वीप और महासागरों के नाम लिखिए?

इ) द्वीप और द्वीप कल्प में क्या अंतर हैं? उदाहरण दीजिए।

ई) अट्लांटिक महासागर किन खंडों से लगा हुआ है?

उ) दक्षिण भारत के राज्य लिखिए।

2. प्रश्न करना - अनुमान लगाना

- संसार के मानचित्र में भारत का नक्षा देखिए। पाँच प्रश्न बनाइए।

3. प्रायोगिक कार्य-क्षेत्र पर्यटन

- अपने गाँव के भिन्न संस्कृति संप्रदाय का निरीक्षण कर लिखिए।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

- अपने देश के भिन्न राज्यों में भिन्न भाषाएँ बोलने वाले लोग हैं। किन राज्यों में कौनसी भाषा बोली जाती है, जानकारी प्राप्त कीजिए।

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

अ) जल चक्र का चित्र बनाकर विवरण दीजिए।

आ भारत के नक्षे में दक्षिण के राज्य और अपने राज्य की सीमाएँ पहचानिए।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव विविधता संबधी जागरूकता

अ) सब में एकता के लिए आप क्या करते हो?

आ) आप मानचित्रों का उपयोग (राज्य/देश) किन संदभों पर करते हो?

क्या मैं यह कर सकता हूँ?

1.	अपने देश के बारे में विवरण दे सकता हूँ।	हाँ / ना
2.	राज्यों व भाषाओं का विवरण एकत्र कर तालिका बना सकता हूँ।	हाँ / ना
3.	जलचक्र का चित्र बना कर विवरण दे सकता हूँ।	हाँ / ना
4.	भारत के नक्षे में भिन्न राज्य पहचान सकता हूँ।	हाँ / ना

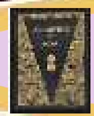

15 हमारा संविधान (Our Constitution)

15.1. हमारा संविधान

आप अपने देश और उसकी सीमाओं के बारे में जानते हैं। हमारे गाँव में सरपंच होता हैं, मंडल परिषद के लिए मंडल अध्यक्ष होते हैं, ज़िला परिषद के लिए चेयरमैन होता है और राज्यों के लिए मुख्य मंत्री और अन्य मंत्री होते हैं। ये सभी व्यक्ति कुछ नियमों और नियमितताओं का पालन करते हुए अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करते हैं। ये नियम-कानून एक पुस्तक में लिखे गये हैं। इसे ही भारतीय संविधान कहा जाता है। प्रत्येक भारतीय नागरिक को इसका पालन करना चाहिए। भारतीय संविधान स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लिखा गया। डॉ. बाबू राजेंद्र प्रसाद हमारे पहले राष्ट्रपति बने। वे दो बार हमारे राष्ट्रपति बने।

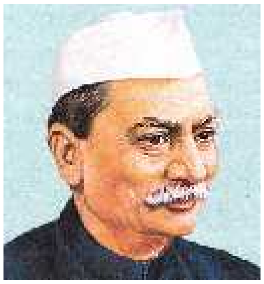

सोचिए और बोलिए

- स्वतंत्रता क्या है? हमारे देश को स्वतंत्रता कब मिली? स्वतंत्रता से पहले हमारे देश की स्थिति कैसी थी? उस समय के लोग कैसे थे?

जब हमारे देश को 1947 में स्वतंत्रता मिली तो हमारे नेताओं ने ऐसे नियमों को बनाने का निर्णय लिया जिससे निर्धारित हो कि किसी नागरिक को कैसे जीना है? उसके अधिकार और कर्त्तव्य क्या हैं? देश की प्रशासन व्यवस्था कैसी हो? और यह सभी एक पुस्तक में लिखा गया हो। उन्होंने बहुत से विद्वानों से इस संबंध में बैठकें कीं और विस्तृत चर्चा की। अतः इसके निर्माण हेतु एक मसौदा समिति स्थापित की गई। डॉ. भीमराव बाबा साहेब अंबेडकर को इस समिति का अध्यक्ष चुना गया। इस समिति ने संसार के अनेक देशों के संविधानों का अध्ययन किया और फिर हमारे देश के लिए एक महान संविधान की रचना की। यह 26 जनवरी, 1950 से लागू हुआ। इसी दिन से भारत ने अपने संविधान के अनुसार शासन कार्य करना आरंभ किया। इसी उपलक्ष्य में प्रति वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है।

इस कानून को हमने अपना लिया। नागरिकों के अधिकार और कर्त्तव्य संविधान में लिखे गये। हमारे पास हमारे संविधान में संशोधन की सुविधा भी है। यदि जनता संविधान में किसी प्रकार के संशोधन की माँग करे, तो इस पर विचार कर बदला भी जा सकता है। हमारा संविधान संसार में सबसे बड़ा लिखा हुआ संविधान है। कुछ देश जैसे ब्रिटेन आदि के पास तो अपना लिखित संविधान भी नहीं है।

क्या आप जानते हैं?

डॉ. अंबेडकर संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष थे। उनके साथ उस समिति में कुछ और प्रसिद्ध विद्वान भी थे, जैसे- गोपाल स्वामी अयंगर, अल्लाडि कृष्णा स्वामी अय्यर, के.एम. मुंशी, सैयद मुहम्मद शादुल्ला, एन. माधव राव, पी.टी. कृष्णमाचार्युलु आदि। इसे लिखने में दो वर्ष ग्यारह महीने अठारह दिन लगे।

सोचिए और बोलिए

- भारतीय संविधान की क्या महानता है?
- डॉ. अंबेडकर ने देश के लिए क्या सेवा की है?

15.2. भारतीय संविधान की प्रस्तावना

हमारा संविधान प्रस्तावना से आरंभ होता है। यह प्रस्तावना संविधान की भूमिका एवं आमुख है। यह प्रस्तावना संविधान के हृदय के समान है। यह हमारे राष्ट्रीय उद्देश्यों के बारे में बताती है।

भारत का संविधान अभिमत

हम समस्त भारतवासी, शपथ लेकर निर्णय करते हैं कि हमने अपने लिए एक सर्व प्रभुत्व संपन्न लोकतंत्रात्मक, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की संवैधानिक रचना कर ली है तथा समस्त नागरिकों के हित में समान रूप से यही स्वीकार्य है।

न्यायः सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक

स्वतंत्रताः विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, श्रद्धा तथा कार्याचरण में।

समानताः पद तथा अवसरों की तथा इन सभी में विकास करते हैं।

परस्पर सद्भावः प्रत्येक व्यक्ति के प्रति सद्भाव के साथ-साथ राष्ट्र की एकता एवं संगठन की सुरक्षा को निश्चित करते हैं।

आज 26 जनवरी 1949 को हम घोषणा करते हैं कि हमने इस संविधान को स्वीकार कर लिया है, इसी पर कार्याचरण करेंगे तथा यही हम पर लागू होगा।

सामूहिक कार्य

- भारतीय संविधान की प्रस्तावना को आपने पढ़ लिया। आपने इससे क्या समझा है?
- इसकी महानता बताने वाले शब्द कौन से हैं? उन्हें आप क्यों महान समझ रहे हैं?
- भारतीय संविधान की प्रस्तावना को अत्यंत महान माना जाता है, क्यों?
- भारतीय संविधान की प्रस्तावना में आपको समझ में नहीं वाले शब्द कौन-कौन से हैं?

15.3. प्रस्तावना के शब्द एवं उनके भाव

भारतीय संविधान की प्रस्तावना क्यों महत्वपूर्ण है? वह हमें क्या संदेश देती है? इस प्रस्तावना के शब्दों का अर्थ क्या है? इन्हें हमें किसप्रकार समझना है? देखेंगे...

15.3.1. हम समस्त भारतवासी का तात्पर्य..

'हम समस्त भारतवासी' का तात्पर्य है- हमारे देश के सभी बच्चे और बड़े लोग।

15.3.2. सर्व प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक और गणराज्य का अर्थ

अपने भारत देश को सर्व प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक और गणराज्य के रूप में स्थापित करने के लिए एक सर्व सम्मत निर्णय लेकर इस संविधान में स्थान दिया गया।

सर्व प्रभुत्व संपन्न - अपने देश के लिए हम स्वयं निर्णय लेंगे। किसी अन्य को हमारे आंतरिक निर्णय में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं होगा। लेकिन हम अपने व्यापार, विद्‌या, कृषि, और दूसरे देशों से अच्छे संबंधों के विकास के लिए बातचीत करके समझौता करेंगे।

समाजवादी का अर्थ समस्त नागरिकों को देश के उत्पाद एवं समृद्धि में भाग लेकर, उसे समान रूप उपभोग करने का अधिकार होगा। हम एक-दूसरे की संपत्ति आपस में उपयोग करें। सभी लोगों को समुचित भोजन, स्वास्थ्य संबंधी विकास, शिक्षा, बिना शोषण के सभी सुविधाओं को प्राप्त करने का समान अवसर मिलेगा। हम एक-दूसरे की सहायता करें। हमें हमेशा एक-दूसरे की भलाई के बारे में सोचना चाहिए।

धर्मनिरपेक्ष का अर्थ सभी धर्मों को समान दृष्टि से देखा जाये। सभी धर्मों और धर्मावलंबियों को सम सम्मान मिले। सरकार किसी एक धर्म को अधिक प्रमुखता न दे। प्रत्येक नागरिक को अपनी इच्छानुसार किसी भी धर्म का अनुयायी बनने का अधिकार मिले। सरकार धर्म के आधार पर निर्मित न की जाये।

भारत में 80% हिंदू हैं। मुसलमान 13% और ईसाई 2% हैं। बाकी जनता सिक्ख, बौद्ध, जैन आदि हैं। सिक्ख, बौद्ध और जैन धर्म का उद्भव भारत में हुआ था। बौद्ध धर्म तो कई देशों में फैला हुआ है।

लोकतंत्रात्मक गणराज्य का अर्थ प्रजा द्वारा चुने गये प्रतिनिधि ही प्रशासन कार्य सँभालेंगे। राजा-रानी के बिना ही यह तंत्र चलेगा। सरकार का निर्माण प्रजा द्वारा, प्रजा के लिए, प्रजा पर शासन करने वाली होती है। ऐसी सरकार ही लोकतंत्रात्मक कहलाती है। इसके लिए लोग चुनाव में मतदान करते हैं और नेता या सरकार चुनते हैं।

हमें उस आदमी को मतदान द्वारा चुनना चाहिए जो जनता की सेवा करे। जिसका चरित्र अच्छा हो और वह निःस्वार्थी हो। यह सरकार संविधान में लिखे नियमों के अनुसार प्रशासन कार्य करते हुए जनता की रक्षा करती है। वह लोगों की भलाई के विषय में सोचती है। वह समय-समय पर लोगों से मिलकर उनकी स्थिति पर ध्यान रखती है।

सामूहिक कार्य

- आपको समाजवाद के बारे में पता चल गया है। क्या समस्त भारतीयों को देश की संपत्ति का समान उपभोग करने का अवसर मिलता है? आपका इस बारे में क्या विचार है?
- हमारे देश में सभी धर्मों का समान महत्व है। सभी को परस्पर सम्मान देना चाहिए। हमें इसके लिए क्या करना चाहिए?
- सरकार किसे कहते हैं? हमें भले लोगों को चुनाव में क्यों चुनना चाहिए?
- कानून क्या है? कानून कौन बनाता है?

क्या आप जानते हैं?

नेता जिन्हें हम चुनते हैं, वे हमारे लिए कानून बनाते हैं। इन्हें संसद में बनाया जाता है। संसद दो सभाओं में विभाजित है- लोक सभा और राज्य सभा। लोकसभा में लिए लोग 543 सदस्यों को मतदान द्वारा चुनते हैं। ये सदस्य सांसद (M.P) कहे जाते हैं। दो सदस्य बिना चुनाव के नामांकित होते हैं। राज्यसभा के लिए 233 सदस्य चुने जाते हैं। राज्यसभा में 12 सदस्य बिना चुनाव के नामांकित किये जाते हैं। सदन के दोनों सभाओं के कुल सदस्यों की संख्या 790 है।

हमारे प्रदेशों में एक विधान सभा एवं विधान परिषद होते हैं। तेलंगाना की विधान सभा में 119 सदस्य चुनाव द्वारा चयनित होते हैं। ये सदस्य विधायक (M.L.A.) कहा जाता है। 40 सदस्य विधान परिषद के लिए चुने जाते हैं। इन्हें विधान परिषद सदस्य (M.L.C.) कहा जाता है।

हमारे देश में प्रत्येक अठारह वर्ष से अधिक आयु के नागरिक को मतदान करने का अधिकार है। वह अपनी इच्छानुसार चुनाव में खड़े हुए किसी भी प्रत्याशी को मतदान दे सकता है।

सोचिए और लिखिए।

- अठारह वर्ष से कम आयु के नागरिकों को मतदान देने का अधिकार नहीं दिया गया है, क्यों?
- आपका विधायक कौन हैं? क्या उन्होंने कभी आपके गाँव का निरीक्षण किया है? क्यों?

15.3.3. सम न्याय - सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय

सबको शिक्षा, कानून, सम्मान, प्रतिष्ठा, अवसर, अधिकार, उपलब्धियों की प्राप्ति, स्वास्थ्य, चिकित्सा आदि की सुविधाएँ मिलें।

लिंग, मत, जाति के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव न हो। सबके साथ समान व्यवहार किया जाये। सबको शिक्षा एवं रोजगार का समान अवसर प्राप्त हो।

सोचिए और बोलिए।

- हमें लड़के-लड़कियों एवं महिला-पुरुष में भेदभाव क्यों नहीं दिखाना चाहिए?
- समस्त लोगों के साथ समान व्यवहार से क्या तात्पर्य है?
- क्या आपकी कक्षा, घर या गाँव में सभी लोगों के साथ समान व्यवहार होता है?
- क्या सभी लोगों को समान अवसर मिलता है? हमें इसे प्राप्त करने के लिए क्या करना चाहिए?

15.3.4. समानता

सभी वर्ग, जाति, धर्म, भाषा, प्रांत आदि के साथ को समान व्यवहार होना चाहिए। सबको सम सम्मान मिलना चाहिए। महिला एवं पुरुष दोनों का समान आदर मिलना चाहिए। समान अवसर, समान स्वास्थ्य सुविधाएँ अनिवार्य रूप से मिलनी चाहिए। प्रत्येक को श्रेष्ठ जीवन एवं विकास का अवसर मिलना चाहिए।

15.3.5. विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म तथा कार्यचरण में स्वतंत्रता

संविधान हमें अनेक प्रकार की स्वतंत्रता प्रदान करता है, इनमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लेखन की स्वतंत्रता, देश में कहीं भी बिना भय के भ्रमण की स्वतंत्रता, देश में कहीं भी बस जाने की स्वतंत्रता, मित्र बनाने की स्वतंत्रता, किसी भी धर्म को मानने की स्वतंत्रता आदि है। हम जो पढ़ना चाहे पढ़ सकते हैं। संविधान हमें वहीं तक की स्वतंत्रता देता है, जहाँ तक कि दूसरों को हानि न पहुँचे।

सामूहिक कार्य

- आप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को किस प्रकार उपयोग करना चाहते हैं?
- आप अपने स्वतंत्रता के अधिकार का प्रयोग दूसरों को हानि पहुँचाये बिना किस प्रकार कर सकते हैं?
- क्या आपको लगता है कि आप स्वतंत्र हैं? आपको किस प्रकार की स्वतंत्रता है? आप किस प्रकार की स्वतंत्रता खो रहे हैं?
- क्या आप अपनी कक्षा व पाठशाला में स्वत्रंतता पूर्वक प्रश्न पूछते हैं? इसके लिए आप क्या करेंगे?

15.3.6. आत्मगौरव, राष्ट्रीय एकता एवं वसुधैव भ्रातृत्व का विकास

हमारे संविधान के अनुसार सभी लोगों को समान गौरव प्राप्त करने का अधिकार है। हमारे समाज में अनेक प्रकार के लोग बसते हैं। क्या हम सभी को समान आदर देते हैं? या कुछ लोगों को अधिक और कुछ को कम आदर दिया जाता है? इस बारे में सोचिए...

इसे कीजिए।

निम्न तालिका देखिए। समाज के कुछ लोगों के बारे में इसमें दिया गया है। इनमें से आप किसे 'बहुत अधिक', 'अधिक', 'कम', और 'बहुत कम' आदर देना चाहेंगे। सही (✓) का निशान लगाइए।

क्र.सं.	समाज के लोग	गौरव जो वे प्राप्त करेंगे			
		बहुत अधिक	अधिक	कम	बहुत कम
1	नौकर				
2	गरीब				
3	निरक्षर				
4	विद्यार्थी				
5	अभियंता				
6	अध्यापक				
7	वरिष्ठ नागरिक				
8	डॉक्टर				
9	सरपंच				
10	धनी				

आपने अनेक प्रकार के लोगों को वरीयता दी। आपके दोस्तों ने भी वरीयता दी होगी। किसको सर्वाधिक वरीयता मिली? इसके द्वारा आपने क्या सीखा? किसको कम वरीयता मिली? इससे आप क्या समझते हैं?

हम सबको एक ही परिवार के भाई-बहन की तरह मिलजुलकर रहना चाहिए। हमें एक-दूसरे के प्रति अपना दायित्व का निर्वाह करना चाहिए। परस्पर सहायता करनी चाहिए। चाहे हमारी जाति, भाषा, धर्म कुछ भी हो हमें मिलजुलकर देश के विकास के लिए प्रयास करना चाहिए। हमारे देश को अनेकता में एकता द्वारा बल मिलना चाहिए। मिलजुलकर भाईचारे के साथ रहना ही भ्रातृत्व कहलाता है।

सोचिए और बोलिए।

- भ्रातृत्व किसे कहते हैं? आप दूसरों के साथ भाईचारा बनाने के लिए क्या करना चाहेंगे?
- आप कौन सी भाषा बोलते हैं?
- क्या आपकी कक्षा, पाठशाला और गाँव में अन्य भाषाएँ बोलने वाले लोग भी हैं? आप उनसे किस भाषा में बात करते हैं?
- क्या आपको अन्य भाषाएँ सीखने की इच्छा है? क्यों?

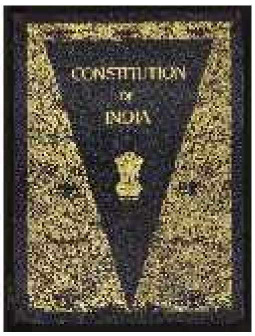

इस प्रकार लिखे गये संविधान को 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा में पारित किया गया। 24 जनवरी, 1950 को सभी सदस्यों ने इसपर अपने हस्ताक्षर किये। इसके दो दिन बाद अर्थात् 26 जनवरी, 1950 को हमने अपने द्वारा रचित संविधान के अनुसार शासन करना आरंभ कर दिया। इसीलिए 26 जनवरी को धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। यह एक राष्ट्रीय त्यौहार है। इसदिन गाँव-गाँव, गली-गली, प्रत्येक पाठशाला, कार्यालय आदि में झंडा फहराते हैं।

हमें अपने संविधान के नियमों एवं नियमितताओं को समझकर उनके अनुसार अनुसरण करना चाहिए। सबलोगों को सुखी रखने का प्रयत्न करना चाहिए। हमारे संविधान ने सभी बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं विकास की स्वतंत्रता और समान अवसर प्राप्त है। हमें इसका सम्मान एवं अनुसरण करना चाहिए।

लेकिन कुछ लोगों के पास पेटभर भोजन भी नहीं है। कुछ बच्चे पाठशाला भी नहीं जाते। वे बालकार्मिक के रूप में मज़दूरी कर रहे हैं। सभी बच्चे स्वस्थ नहीं होते। सोचिए..क्यों? यदि सभी बच्चे स्वस्थ नहीं होंगे और स्कूल नहीं जाएँगे तो समानता, न्याय, स्वतंत्रता का अधिकार देने से भी वह सार्थक नहीं होगा। क्योंकि वे विकास नहीं कर पायेंगा। इसलिए हम सभी लोगों का दायित्व है कि हम प्रयास करें कि सब न्याय और सेवाओं का लाभ उठा सकें। हमें पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए। पेड़-पौधे लगायें और उनका संरक्षण करें। पशु-पक्षियों के प्रति करुणा-दया बनाये रखें। उनके भोजन का प्रबंध करें। उनकी रक्षा करें। निवास स्थल, झील, पर्वत, नदी, तालाब और वनों की रक्षा करते हुए पर्यावरण का संरक्षण करें। उन्हें दूषित न करें।

15.4. अधिकार और कर्त्तव्य

भारतीय संविधान हमारे लिए कुछ अधिकार और कर्त्तव्य निर्धारित करता है। नागरिक के अधिकार हैं-काम करने का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार, इच्छा से किसी भी धर्म का अनुयायी बनने का अधिकार, शोषण से सुरक्षा का अधिकार, मतदान का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, समाज स्थापित करने का अधिकार। इसी प्रकार संविधान में नागरिकों के कुछ कर्त्तव्य भी निर्धारित किये गये हैं, जो हैं-

मौलिक कर्त्तव्य

a) संविधान, राष्ट्रीय झंडे और राष्ट्रगान का सम्मान करना।

b) स्वतंत्रता संग्राम के महान उद्देश्यों को बनाये रखना।

c) देश की रक्षा करना और आवश्यकता पड़ने पर देश की रक्षा के काम आना।

d) देश की एकता एवं अखंडता को बनाये रखना।

e) सभी भारतीय नागरिकों में समन्वय करते हुए भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना और महिलाओं की प्रतिष्ठा को हानि पहुँचाने से रक्षा करना।

f) देश की मिलीजुली संस्कृति की महान सभ्यता को बनाये रखते हुए उसका संरक्षण करना।

g) प्राकृतिक पर्यावरण जैसे-वन, झील, नदी और वन्यजीवों और उनके निवास स्थलों का संरक्षण करते हुए उनके विकास में सहयोग देना।

h) शास्त्रीय दृष्टिकोण, मानवता और सुधारवादी भावना का विकास करना।

i) सरकारी संपत्ति की रक्षा करना और हिंसा का त्याग करना।

j) राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से विकास में भाग लेना।

सामूहिक कार्य

- आप किस अधिकार का उपभोग कर रहे हैं? आपको कौन सा अधिकार प्राप्त नहीं हो पा रहा है?
- हमें अपने मौलिक कर्त्तव्यों के पालन के लिए क्या करना चाहिए?
- भेदभाव क्या है?

कुछ लोग अपने अधिकारों को हासिल करते समय भेदभाव का शिकार हो जाते हैं। इसका अर्थ यह है कि सभी को सभी अधिकार प्राप्त नहीं होते। सभी को समान आदर नहीं मिलता, समान स्वतंत्रता नहीं मिल पाती, समान प्रतिष्ठा प्राप्त नहीं कर पाते, शिक्षा के अवसर नहीं मिल पाते आदि सभी भेद-भाव के अंतर्गत ही आते हैं। लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। सबको अपना अधिकार प्राप्त करने और विकास करने का अवसर मिलना चाहिए।

मुख्य शब्द

संविधान	समाजवाद	गणराज्य
संविधान सभा	धर्मनिरपेक्ष	स्वतंत्रता, समानता
आमुख/प्राक्कथन	लोकतंत्र	भाईचारा

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) संविधान किसे कहते हैं? इसका निर्माण किसने किया?

b) आमुख के किन्हीं चार मुख्य शब्दों के अर्थ लिखिए।

c) बताइए कि लोगों को स्वतंत्रता की आवश्यकता क्यों है?

d) आपके अधिकार और कर्त्तव्य क्या हैं?

2. प्रश्न करना - अनुमान लगाना

- संविधान की प्रस्तावना के आधार पर 5 प्रश्न तैयार कीजिए।

3. प्रयोग - क्षेत्र निरीक्षण

- संविधान ने हमें स्वतंत्रता एवं समानता प्रदान की है। अपने गाँव में जाइए और पता कीजिए कि क्या आपके गाँव में किसी को स्वतंत्रता एवं समानता का अधिकार प्राप्त नहीं हो पा रहा है?

4. समाचार संकलन और परियोजना

- अपने गाँव में हुए पिछले चुनाव के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए। अपनी जानकारी के आधार पर निम्न विषयों के बारे में तालिका बनाइए। उसे अपनी नोटबुक में लिखिए और उसका विश्लेषण कीजिए।

  चुनाव किसके लिए हुआ, प्रत्याशियों के नाम, जीतने वालों के नाम, आपके गाँव के लिए उनके द्वारा की गई सेवाएँ

5. मानचित्र, चित्रांकन और प्रतिरूप द्वारा भाव विस्तार

a) संविधान के प्रमुख शब्द चार्ट पर लिखिए और उसे अपनी कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

b) मानचित्र में नई दिल्ली अंकित कीजिए। इसी सीमाएँ लिखिए।

6. प्रशंसा, मूल्य और जैव विविधता के प्रति जागरूकता

a) डॉ. बी. आर. आंबेडकर जी की संविधान निर्माण में सेवाओं के लिए प्रशंसा करते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए।

b) गणतंत्र दिवस के लिए कुछ नारे लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	अपने संविधान के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	समन्याय न प्राप्त होने के कारण बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	संविधान की प्रस्तावना के आधार पर प्रश्न तैयार कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	संविधान निर्माताओं की प्रशंसा करते हुए पत्र लिख सकता हूँ।	हाँ/नहीं

16 बाल अधिकार

(Child Rights)

आज के बालक ही भावी भारत के नागरिक हैं। आज के बच्चे ही कल के बड़े हैं। कल का समाज बच्चों पर ही आधारित है। बालकों के विचार सीमा रहित होते हैं। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को कुछ अधिकार दिया है। इसी प्रकार बालकों के भी अनेक अधिकार हैं। माता-पिता, अध्यापक, साथी, समाज को चाहिए कि बालकों के प्रति प्रेम, दया रखें। उनकी उन्नति के प्रति विचार करें। बड़ों की आशा होती है कि जीवन में बालक बहुत उन्नति करें, सब में अपनी पहचान बनाएँ। इसी कारण उनकी वृध्दि में श्रध्दा रखते हैं। पर क्या यह सब उचित है? क्या उनकी उन्नति के पीछे किये जानेवाले सभी काम स्वीकार योग्य है?

सभी बालकों को शिक्षा, उच्च जीवन स्तर, मनोरंजन, खेल-कूद में स्वतंत्रता से भाग लेना, चोरी से रक्षा के अपने विचार स्वतंत्रता से प्रकट करने के अधिकार उन्हें दिये गए हैं।

बालकों! आपको खुश रहना है

आपको खुश करनेवाली घटनाएँ

____

____

____

____

आपको खुश करनेवाले व्यक्तियाँ

____

____

____

____

आपको खुश करनेवाले प्राँत

____

____

____

____

आपको खुश करनेवाले कार्य

____

____

____

____

बच्चों! आपने यह जान लिया है कि आप कब खुश रहते हैं, फिर कभी कभी दुख भी होता है न! आपको दुख देनेवाले परिस्थितियाँ, व्यक्ति, वस्तु, प्राँत, याद कीजिए।

आप को दुख देनेवाली परिस्थितियाँ

आपको दुख देनेवाली घटनाएँ	आपको दुख देनेवाले व्यक्ति
____________	____________
____________	____________
____________	____________
आपको दुख देनेवाले प्राँत	**आपको दुख देनेवाले कार्य**
____________	____________
____________	____________
____________	____________

क्या आप जानते हैं?

हेलेन किल्लर का जन्म अमेरिका में हुआ था। उन्हे 19 मास की आयु में वाइरल फ़िवर के शिकार होने के कारण देखने, बोलने और सुनने की शक्ति खोना पड़ा। उनके माता-पिता ने निराश नहीं हुए और न ही ऐसी लडकी के जन्म लेने के कारण नाराज़ हुए। उनके जीवन को श्रेष्ठ बनाने के अनेक प्रयत्न किए। हेलेन किल्लर ने 8 वर्ष की आयु में ब्रेइली लिपी सीख लिया था। सारा पुट्टर नामी अध्यापिका के निरीक्षण में उन्हों ने धीरे से बोलना सीखा। बात करने वालों के होंठ और कंठ पर उँगलियाँ रख कर भाषा सीख लिया।

33 वर्ष की आयु से विशेष आवश्यकताओं वालों के लिए भाषण देना आरंभ किया। भारत में उन्हें देख कर ऐसे बच्चों के माता-पिता अपने बच्चों को घर ला लिए। 88 वर्ष की आयु में अपने जीवन का

बालक खुशी, स्वास्थ्य से अच्छे नागरिक बन देश की प्रगति, यश के कारक बनते हैं। इसके लिए संसार के अन्य देशों के साथ भारत ने भी बालकों को कुछ अधिकार दिया है।

अब हम इसकी जानकारी प्राप्त करेंगे कि बालकों के क्या अधिकार हैं, आप क्या अधिकार पा रहें हैं।

16.1. बाल अधिकार

विशेष कर बालकों के चार अधिकार हैं। जो-

1. जीने का अधिकार (Right to Surrival)
2. सुरक्षा पाने का अधिकार (Right to Protection)
3. विकास करने का अधिकार (Right to Development)
4. सहभागिता(भाग लेने) का अधिकार (Right to Participation)

उपर्युक्त के अधिकारों के अनुसार बालकों को अनेक अधिकार हैं।

बाल अधिकार से संबंधित चित्रों का निरीक्षण कीजिए

संपूर्ण स्वस्थ्य रहने का अधिकार

स्वच्छ पानी पाने का अधिकार

माता पिता के संरक्षण में रहने का अधिकार

संघ बनाने का अधिकार

इच्छानुसार अपना नाम पाने का अधिकार

पौष्टिक आहार पाने का अधिकार

जीने का अधिकार

लैंगिक(मानसिक,शारीरिक) शोषण से विमुक्त होने का अधिकार

राष्ट्रीयता प्राप्त करने का अधिकार

सामाजिक सुरक्षा पाने का अधिकार

मनोरंजन पाने का अधिकार

गुणात्मक निशुल्क शिक्षा पाने का अधिकार

विश्राम पाने का अधिकार

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने का अधिकार

प्रेम, अनुराग पाने का अधिकार

खेलने का अधिकार

शारीरिक, आर्थिक चोरी से विमुक्त होने का अधिकार

अपमान से सुरक्षा पाने का अधिकार

प्रशंसा पाने का अधिकार

विचार प्रकट करने का अधिकार

पहचान पाने का अधिकार

हिंसा से सुरक्षित रहने का अधिकार

मत प्रकट करने का अधिकार

सम्मान पाने का अधिकार

युध्द से रक्षा पाने का अधिकार

समाचार जानने का अधिकार

आज़ादी से सोचने का अधिकार

प्रेम, स्नेह पाने का अधिकार

समान स्वास्थ्य पाने का अधिकार

मन की इच्छानुसार कार्य करने का अधिकार

सामाजिक समानता पाने का अधिकार

विवक्षा से विमुक्त होने का अधिकार

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार

शिक्षा के समान अवसर पाने का अधिकार

समान सांस्कृतिक अवसर पाने का अधिकार

सामूहिक कार्य

- बाल अधिकारों में आप को कौनसे अधिकार प्राप्त हैं?
- आप ऐसे कौनसे अधिकार पाना चाहते हैं, जो आप को प्राप्त नहीं हैं?
- सारे बालकों को सभी अधिकार प्राप्त नहीं हैं, क्यों?
- आपके अधिकारों के लिए, कौन, किस प्रकार की सहायता करना चाहते हैं?
- आप किस प्रकार के भेद भाव के शिकार हैं, कैसे?

16.2. घर में क्या होना चाहिए?

(1) बच्चों को काम करने वालों की तरह और पैसा कमानेवालों की तरह **नहीं समझना चाहिए।**

(2) **कुछ बच्चों को काम करने के लिए विवश किया जाता है।**

(3) **उन्हें खाने को बराबर नहीं दिया जाता है। और बढ़ों की माँगों को पूरा करने के लिए कहा जाता है।**

(4) **बच्चों को स्वस्थ्य** एवं स्वतंत्र वातावरण रहना चाहिए।

बच्चों के विचार का आदर करना चाहिए। उनसे संबंधी निर्णय करते समय उनसे चर्चा करना चाहिए। उनकी इच्छा जानना चाहिए। पाठशाला **को** अनिवार्य रूप से भेजना चाहिए। लक्ष्यों का निर्धारण न करें। अनुशासन के नाम पर दंड न दे। और क्या किया जाय, लिखिए।

16.3. पाठशाला में क्या होना चाहिए?

घर का काम न करने पर, **गृह कार्य न करने पर या पढ़ना लिखना न आने पर बच्चों को सजा नहीं देना चाहिए।** पढ़ाई-लिखाई में वरीयता के लिए शारीरिक, मानसिक दंड देना बाल अधिकार के अनुसार **अपराध** है। बच्चों को शारीरिक व मानसिक दंड नही दिया जाना चाहिए। उन्हें नाम से बुलाना चाहिए। अपशब्द नहीं बोलना चाहिए। प्रगतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना चाहिए। अब आप लिखिए कि और क्या किया जाना चाहिए।

16.4. समाज में क्या होना चाहिए?

समाज को चाहिए कि भावी नागरिकों को पहचाने। ये जानना चाहिए कि जैसे नागरिकों को अधिकार होते हैं वैसे ही बालकों को भी अधिकार हैं। उन्हें पालन करना चाहिए। सभी अंशों में उन्हें उचित स्थान देना चाहिए। आगे बढनेवालों को पहचानना चाहिए। समान अवसर दिया जाना चाहिए। बच्चों को आदर मिलना चाहिए। उनके विचारों का आदर करना चाहिए।

हर जगह बच्चों के अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। घर, पाठशाला, समाज हर जगह उनके अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। बच्चों को अपने अधिकारों से अवगत होकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए प्रयास करना चाहिए। बड़ों को भी चाहिए कि बच्चों के अधिकार जान कर व्यवहार करना चाहिए।

16.5. बाल संसद

लगभग 6 से 18 वर्ष आयु के 30 लडके लडकियों से बच्चों **की संसद** बनायी जाती है। इसमें आवासीय प्राँत के बच्चे सभ्य होते हैं। ये शिक्षा, स्वास्थ्य, बच्चों की समस्याएँ, बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन जैसे अंशों पर हर सप्तह में इकट्ठा होकर चर्चा करते हैं। इन्हें बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रयास करने वाली संस्थाओं के साथ मिलकर काम करते हैं। केरल में, 2722 बच्चों की **संसद,** 6 बच्चे सभ्य हैं। संसार भर में गुलामी करनेवाले और अपने अधिकार खोये हुए बालकों के प्रति सोचिए। सोचिए कि उन बच्चों को न्याय दिलाने के लिए आप क्या कर सकते हैं। कार्यक्रमों की योजना में भाग लीजिए। सब मिलकर बच्चों के अधिकारों की रक्षा का प्रयास करेंगे। इस विश्वास के साथ काम करें कि इस कार्य में हम विजयी होंगे।

ऐसे कीजिए

- अपनी पाठशाला में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा क्लब बनाईए। कार्यक्रमों का आयोजन कीजिए।
- बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम करनेवाली संस्थाओं से मिलिए। उनके कार्यक्रमों में भाग लीजिए।
- बच्चों के पार्लमेंट का निर्माण कीजिए। इसके माध्यम से बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा का प्रयास कीजिए।

16.6. बच्चों के अधिकारों की अधिकारों की सुरक्षा के लिए किसका सहयोग होता है।

16.6.1. बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा केंद्र

बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा केंद्र बच्चों को शारीरिक, मानसिक दंड देने पर और उनके अधिकारों भंग करनेवालों पर उचित कार्यवाही करती है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के अनुसार भी कार्यवाही करती है। शुल्क की वसूली, पढ़ाई व गृहकार्य के नाम दंड देना खानूनन जुर्म है। बच्चों के अधिकारों को ठेस पहुँचने पर **18004253525** नंबर पर फ़ोन करके शिकायत दर्ज करने से दंड देनेवालों पर कार्यवाही की जाती है। इस का कार्यालय राजीव विद्यामिशन हैदराबाद में है।

16.6.2. बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा क्लब

प्रत्येक पाठशाला में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा क्लब बनाया जाना चाहिए। इसमें सभ्य बच्चे ही होते हैं। बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा का प्रयास करना चाहिए। मास में एक बार बैठक कर समीक्षा करना चाहिए। बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, आवश्यकताओं की पूर्ति का काम इस क्लब का मुख्य कार्य है।

- बालक सदा खुश रहें। खेलें, बिना डरे प्रश्न पूछ कर जानकारी प्राप्त करें, सभी कार्यों में भाग लें, अपनी इच्छा के अनुसार चलें, साथी बालकों के अधिकारों का आदर करें, आज़ाद रहें।.

16.6.3. बच्चों के लिए विशेष सहायक केंद्र- चाइल्ड हेल्प लाइन

किस के लिए?

बाल उद्योगी, सडक पर पडे अनाथ बालक, भेद भाव से पीडित बालक, नशे की आदत वाले बालक, बाल्य विवाह से पीडित, एच.ऐ.वी./एइड्स आदि से पीडित बालोकों के लिए।

कैसे काम करता है:

सहायता की आवश्यकता वाले बालक या कोई भी बालकों की सहायता के लिए **1098** मुफ़्त नंबर पर फ़ोन करने से वे ज़िला केंद्र के चाइल्ड लाइन के कर्मचारियों तक समाचार पहुँचाते हैं। वे तुरंत घटना स्थल पहुँच कर सहायक कार्य करते हैह्। आवश्यकतानुसार उन बच्चों को माता-पिता या बंधुओं तक पहूँचाते हैं। या बालकों के पुनर आवास केंद्र भेज कर उनके रहने और पढ़ाई की व्यवस्था करते हैं।

सोचिए, बोलिए

- पाठशालाओं में बच्चों के अधिकारों के पालन के लिए हम क्या कर सकते हैं?
- बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा क्लब क्यों बनाना चाहिए। इससे कौनसे कार्यक्रम किए जाते हैं।
- चैल्ड लाइन का उपयोग किन संदर्भों में होता है?

मुख्य शब्द

बाल अधिकार	विकास का अधिकार	बच्चों का पार्लमेंट
जीने का अधिकार	भाग लेने का अधिकार	बाल अधिकारों की सुरक्षा केंद्र
सुरक्षा पाने का अधिकार	स्वस्थ्य वातावरण	बाल अधिकारों की सुरक्षा क्लब

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) बालकों के अधिकार कौनसे हैं?

आ) भाग लेने का अधिकार क्या है? बच्चे किन में भाग लेना चाहिए?

इ) बालक अपने अधिकार क्यों खो रहें हैं?

2. प्रश्न करना - अनुमान लगाना

- बच्चों के अधिकार से संबंधित पाँच वाक्य लिखिए।

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र पर्यटन

- अपने गाँव में बच्चों के खोनेवाले अधिकारों का निरीक्षण कर लिखिए।.

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

- निम्न विवरण अपनी कक्षा से इकट्ठा कीजिए। कितने बच्चे स्वस्थ्य हैं? कितने बच्चे रोज़ खेलते हैं? कितने बच्चे मद्याह्न का भोजन खाते हैं? कितने बच्चे आज़ादी से प्रश्न पूछते हैं? कितने बच्चों को नाम से पुकारा जाता है?

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

- ऐसा चित्र बनाइये जिसमें बच्चे खुशी से खेल-कूद रहे है।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव विविधता संबधी जागरूकता

अ) कुछ बच्चे पाठशाला न आकर अपना बचपन खोते हैं। अधिकार नहीं पाते। ऐसे बच्चों को फ़िर से पाठशाला लाने के लिए आप क्या करोगे?

आ) बाल आधिकारों के प्रति माता-पिता और अध्यापककों को क्या करना चाहिए? इस पर कुछ नारे लिखकर प्रदर्शित कीजिए।

इ) अपनी पाठशाला में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा संघ से जुडिए। अपनी समस्याओं को प्रधान अध्यापक को बताइए।

क्या मैं यह कर सकता हूँ?

1.	बच्चों के अधिकारों के विवरण दे सकता हूँ।	हाँ / ना
2.	बच्चों के अधिकारों के के प्रति प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / ना
3.	बच्चों के अधिकारों से संबंधित जानकारी इकट्ठा सकता हूँ।	हाँ / ना
4.	बच्चों के अधिकारों के पालन के लिए बच्चों को पाठशाला जाने में सहायता कर सकता हूँ।	हाँ / ना